Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
BA-511

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018

B.A. (with Yoga Science), (Semester : Fifth)

संस्कृत

संस्कृत-व्याकरणम् (प्रश्न-पत्र-प्रथमम्)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. गम धातु के विधिलिङ् एवं व्रज धातु के लोट् तथा लृट् लकार में सभी रूपों का प्रतिपादन करें।
2. पठिष्यमाणं पश्य, वेदितुम्, प्रकृत्य, त्यक्तुम, निर्गम्य, विलुप्य में प्रत्ययों का निर्देश करते हुए वाक्य प्रयोग करें।
3. मम विद्यालयः, आतकवादः, जनसंख्या-वृद्धिः - किसी एक विषय पर विस्तृत निबन्ध लिखें।
4. पौस्नः, औपगवः, नाकुलः, भाद्रमातुरः भवनः - तद्धित प्रत्ययों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट करें।
5. हिन्दी से संस्कृत भाषा में अनुवाद करें।
   1. आतकवाद पड़ोसी देशों की देन है।
   2. बेरोजगारी एक गंभीर समस्या है।
   3. 2019 में चुनाव होना निश्चित है।
   4. काश्मीर से कन्या कुमारी पर्यन्त भारत है।
   5. भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष का रहता है।
   6. पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में उत्तराखण्ड स्थित है।
   7. उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून है।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. व्याकरण शास्त्र में धातुओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
2. परस्मैपद एवं आत्मनेपदी धातुओं का उपयोग व्याकरण शास्त्र में क्यों आवश्यक है सिद्ध करें।
3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करें -
   1. रामः भोजनं कृत्वा बाजारं गच्छन्ति।
   2. मोहनः विद्यालयं गच्छन्ति तत्र गत्वा नृत्यन्ति।
   3. अस्माकं देशस्य नामा भारते सन्ति।
   4. वृक्षात् पत्रं पतन्ति।
   5. संस्कृतभाषा देवभाषा वर्तन्ते।

4. तद्धित प्रत्ययों की आवश्यकता पर प्रकाश डालें।

5. निम्न वाक्यों का संस्कृत से हिन्दी भाषा में अनुवाद करें।
   1. भारतस्य उत्तरस्यां हिमालयः वर्तते।
   2. भारतस्य प्रमुखधर्मः सनातनः।
   3. वैज्ञानिकः उक्तं यत् संस्कृतभाषा देवभाषा वर्तते।
   4. ग्रहाणां संख्या सप्तैव। द्वौ छायाग्रहौ स्तः।
   5. गृह्यते अनेनेति ग्रहाः।

6. लिख्, पठ, गम्, धातुओं के लट्लकार उत्तम पुरुष एवं विधिलिङ्लकार मध्यमपुरुष के सभी रूपों का उल्लेख करें।

खण्ड–ग
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. संस्कृत व्याकरण में गणों की संख्या कितनी है ?
   (अ) पाँच (ब) दस
   (स) आठ (द) पंद्रहः

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी के लेखक है ....
   (अ) आचार्य वरदराज (ब) आचार्य पतंजलि
   (स) महर्षि व्यास (द) महर्षि पाणिनि

3. निम्न में सही का चयन करें ....
   (अ) सप्तमी एकवचन में रामः (ब) सप्तमी एकवचन में रामे
   (स) सप्तमी एकवचन में रामेषु (द) सप्तमी एकवचन में रामयोः

4. निम्न में सही का चयन करें ....
   (अ) मध्यम पुरुष बहुवचन में हसथ (ब) मध्यम पुरुष बहुवचन में हसथः
   (स) मध्यम पुरुष बहुवचन में हसति (द) मध्यम पुरुष बहुवचन में हससि

5. व्याकरण के कितने मुनि प्रसिद्ध हैं ....
   (अ) एक (ब) दो
   (स) तीन (द) चार

6. माहेश्वर सूत्रों की संख्या है ....
   (अ) दस (ब) पंद्रह
   (स) नौ (द) चौदह

7. भू धातु में लट्लकार में रूपों की संख्या बतायें ....
   (अ) नौ (ब) ग्यारह
   (स) दस (द) बारह

8. हस धातु का लोट् लकार का शुद्ध रूप है ....
   (अ) अहसत् (ब) अहसम
   (स) हसन्ति (द) हसत

9. व्रज् धातु का विधिलिङ् में रूप उपयुक्त है ....
   (अ) व्रज्यात् (ब) व्रज्यताम्
   (स) व्रजेताम् (द) व्रज्यतम्

10. हस् धातु का लङ् लकार मध्यम पुरुष बहुवचन में निम्न रूप बनता है ....
    (अ) अहसेत् (ब) अहसत्
    (स) अहसेयम् (द) अहसत

--------------x--------------